

आदेश पत्रक - ता०.....से.....तक
जिला....., सं०....., सन् १९.....
केस का प्रकार.....

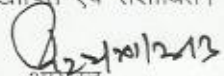
<p>आदेश की क्रम संख्या कीस तारीख १</p>	<p>आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर २</p>	<p>आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख-सहित ३</p>
	<p style="text-align: center;">न्यायालय आयुक्त कोशी प्रमंडल, सहरसा</p> <p style="text-align: center;">भूमि विवाद अपील वाद संख्या 381/2013</p> <p style="text-align: center;">मो० रसूल — अपीलार्थी</p> <p style="text-align: center;">वनाम</p> <p style="text-align: center;">मो० असीर एवं अन्य — रेस्पण्डेन्ट्स</p> <p style="text-align: center;">—:आदेश:—</p> <p>प्रस्तुत अपील वाद अपीलार्थी के द्वारा भूमि सुधार उप-समाहर्ता, सिमरीबख्तियारपुर के आदेश दिनांक: 25.02.2013 ई० अंदर वाद संख्या-76/12 के विरुद्ध खिलाफ रेस्पण्डेन्ट्स के दाखिल किया गया है।</p> <p>वाद पुकारा गया। अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता को सुना तथा अभिलेख पर रक्षित कागजात का अवलोकन किया।</p> <p>प्रस्तुत अपील वाद का मुल विषय मौजा: बरसम, थाना नं० 02 अंचल सिमरी बख्तियारपुर, जिला-सहरसा के अन्दर खाता नं० 183 खेसरा नं०: 1311 रकवा: 01 कट्टा जमीन चौहद्दी उत्तर-बरसम सीमान, दक्षिण- मोती मियाँ, पुरब-मदनपुर, सीमान पश्चिम पक्की सड़क जमीन प्रश्नगत विवादी भूमि है।</p> <p>अपीलार्थी बहस के क्रम में कथन करते हैं कि उपर्युक्त वर्णित जमीन अपीलार्थी को पूर्व जमींदार से अपीलार्थी के पिता मो० नसीब मियाँ के नाम से केवाला द्वारा तारीख 30.01.1962 ई० को प्राप्त है तथा जमीन खरीदगी पश्चात अपीलार्थी के पिता जमाबंदी कायम करने हेतु आवेदन दिये वो जॉयोपरान्त उनके नाम जमाबंदी संख्या 65 कायम हुआ वो मालगुजारी रसीद प्राप्त करते हुए खरीदगी भूमि पर अपना घर बनाकर रहने लगे। उक्त भूमि पर निर्मित घर से कुछ वर्षों के बाद प्रतिवादीगण मो० असीर मियाँ एवं मो० जसीम मियाँ के स्व० पिता अजीज मियाँ द्वारा संदर्भ प्रश्नगत भूमि पर बने हुए मकान को किराये के रूप में रहने के लिए दिया गया।</p> <p>आगे यह भी कथन करते है कि वादी के पिता के मृत्यु उपरान्त वादीगण बराबर अपने पारिवारिक भरण पोषण के लिए बाहर रहते हैं तथा संदर्भ विवादी भूमि पर बने मकान की आवश्यकता महसूस होने पर प्रतिवादीगण से मकान खाली करने को कहा गया, परन्तु प्रतिवादीगण बराबर टाल मटोल करते रहे। अपीलार्थी/वादी द्वारा स्थानीय ग्रामीण को बैठाकर पंचायत करने तथा उक्त पंचायती में प्रतिवादीगण नहीं आकर चन्द तरह की धमकियाँ देने लगे।</p>	

अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता आगे यह भी कथन करते हैं कि प्रतिवादीगण द्वारा प्रश्नगत भूमि का बासगीत पर्चा नाजायज रूप से वादी की भूमि हड़पने की नियत से बनवा लिया गया। प्रतिवादीगण के नाजायज हरकत तथा प्रश्नगत भूमि पर अपीलार्थी/वादी के घर मकान को जबरन हड़पने का घमकी देने के कारण यह विवाद उत्पन्न हुआ है।

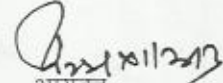
आगे यह भी कथन करते हैं कि अपीलार्थी कमजोर जाति का गरीब भूमिहीन मजदूर, बी०पी०एल० कार्डधारी हैं। इसी आधार पर प्रश्नगत भूमि पर वादी द्वारा अधिकार एवं दखल कब्जा घोषित करने तथा प्रश्नगत भूमि पर बने घर से प्रतिवादीगण को खाली करवा कर अपीलार्थी को सूपूर्द करने की मांग किया गया है।

अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता को सुना तथा अभिलेख पर रक्षित कागजात का अवलोकन किया पाया कि प्रतिवादीगण द्वारा प्रश्नगत भूमि पर पुस्तैनी दखल कब्जा मकान मय सहन है तथा स्व० पिता के नाम निर्गत बासगीत पर्चा प्राप्त है। अपीलार्थी/वादी द्वारा निम्न न्यायालय के समक्ष दाखिल अर्जी दावा में प्रश्नगत भूमि पर बने मकान मय सहन में प्रतिवादीगण के दखल कब्जा को किराये के रूप में रहने की स्वीकारोक्ति की गई है। अपीलार्थी/वादी ने अपने स्व० पिता द्वारा ही प्रतिवादीगण के स्व० पिता को देने का कथन किया है, जबकि किरायानामा से संबंधित कोई भी ठोस आधार न ही निम्नन्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया और न ही इस न्यायालय के समक्ष। अपीलार्थी/वादी के विज्ञ अधिवक्ता द्वारा इस सन्दर्भ में कोई तथ्यात्मक बहस भी नहीं किया गया, जिस वजह से इस अपील वाद को ग्रहण करना समीचीन प्रतीत नहीं होता है।

अस्तु अपील वाद नामांकन दिन्दु पर अस्वीकृत की जाती है। इसी के साथ अपील वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है।
लेखापित एवं संशोधित।


आयुक्त

कोशी प्रमंडल, सहरसा


आयुक्त

कोशी प्रमंडल, सहरसा